श्री बकारादि बाला-सहस्त्र-नाम-महा-मन्त्र-साधना

॥ विनियोग ॥

ॐ अस्य श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-सहस्त्र-नाम-महा-मन्त्रस्य श्रीपर-ब्रह्म ऋषिः, आदि-माया छन्दः, श्रीबाला-त्रिपुरेश्वरी देवता, 'ऐं-ह्रीं-श्रीं-ऐं'-वीजं, 'ऐं-ह्रीं-श्रीं-ईं'-शक्तिः, 'ऐं-ह्रीं-श्रीं-लां'-कीलकं, श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रसाद-सिद्धयर्थे श्रीबकारादि बाला-सहस्त्र-नाम-जपे विनियोगः ।

(विशेष : सहस्त्र-नामावली के 'नाम'-मन्त्रों के 'जप' मात्र का अनुष्ठान करते समय उक्त विनियोग करना चाहिए । यदि 'नाम'-मन्त्रों के द्वारा 'पूजन' करना हो, तो 'जपे विनियोगः' के स्थान पर 'नाम-पूजने विनियोगः' पढ़ें और यदि पूजन के साथ 'तर्पण' भी करना हो, तो 'नाम-पूजने-तर्पणे च विनियोगः' पढ़ें । 'नाम'-मन्त्रों से होम करना हो, तो 'नाम-होमे विनियोगः' पढ़ें ।) ।

॥ ऋष्यादि-न्यास ॥

श्रीपर-ब्रह्म-ऋषये नमः शिरसि, आदि-माया-छन्दसे नमः मुखे, श्रीबाला-त्रिपुरेश्वरी-देवतायै नमः हृदि, 'ऐं-ह्रीं-श्रीं-ऐं'-वीजाय नमः दक्ष-स्तने, 'ऐं-ह्रीं-श्रीं-ईं'-शक्तये नमः वाम-स्तने, 'ऐं-ह्रीं-श्रीं-लां'-कीलकाय नमः नाभौ, श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रसाद-सिद्धयर्थे श्रीबकारादि बाला-सहस्त्र-नाम-जपे विनियोगाय नमः सर्वाङ्गे ।

(विशेष : ऊपर 'नाम'-मन्त्र द्वारा 'पूजन' करते समय 'नाम-जपे विनियोगाय नमः' के स्थान पर 'नाम-पूजने विनियोगाय नमः' और ' पूजन -तर्पण' दोनों करते समय 'नाम-पूजने-तर्पणे च विनियोगाय नमः' पढ़ें तथा 'हवन' करना हो, तो 'नाम-होमे विनियोगाय नमः' पढ़ें ।) ।

॥ कर-न्यास ॥

'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-ऐं' विराट्-पुरुषात्मिकायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-ऐं' अंगुष्ठाभ्यां नमः ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-ईं' श्रीपर-ब्रह्मेश्वर्यै 'श्रीं-ह्रीं-इं-ऐं-ईं' तर्जनीभ्यां स्वाहा ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-लां-श्रीं' श्रीअंगुष्ठ-मात्र-पुरुषात्मिकायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-लां' मध्यमाभ्यां वषट् ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-लां-श्रीं' श्रीपञ्चदशी-त्रिकूट-मायायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-लां' अनामिकाभ्यां हुम् ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-इं' प्रासाद-वीजायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-ईं' कनिष्ठाभ्यां वौषट् ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-ऐं-श्रीं' महा-शक्ति-ज्ञानात्मिकायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-ऐं' करतल-कर-पृष्ठाभ्यां फट् ।

॥ अङ्ग-न्यास ॥

'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-ऐं' विराट्-पुरुषात्मिकायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-ऐं' हृदयाय नमः ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-ईं' पर-ब्रह्मेश्वर्यै 'श्रीं-ह्रीं-इं-ऐं-ईं' शिरसे स्वाहा ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-लां-श्रीं' अंगुष्ठ-मात्र-पुरुषात्मिकायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-लां' शिखायै वषट् ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-लां-श्रीं' पञ्च-दशी-त्रिकूट-मायायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-लां' कवचाय हुम् ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-इं' प्रासाद-वीजायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-ईं' नेत्र-त्रयाय वौषट् ।
'ॐ-ऐं-ह्रीं-श्रीं-ऐं-श्रीं' महा-शक्ति-ज्ञानात्मिकायै 'श्रीं-ह्रीं-ऐं-ऐं' अस्त्राय फट् ।

।। ध्यान ।।

'ऐं'-कार-सुपद्मक-मध्य-गता, 'क्लीं'-कार-विभूषित-नेत्र-पद्मा ।
'सौ'-काराब्ज-विशालिनी च कूट-त्रया तु मनु-वर्ण-विराजिता ।।

।। मानस-पूजन ।।

ॐ लं पृथ्वी-तत्त्वात्मकं गन्धं श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रीतये समर्पयामि नमः ।
ॐ हं आकाश-तत्त्वात्मकं पुष्पं श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रीतये समर्पयामि नमः ।
ॐ यं वायु-तत्त्वात्मकं धूपं श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रीतये घ्रापयामि नमः ।
ॐ रं अग्नि-तत्त्वात्मकं दीपं श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रीतये दर्शयामि नमः ।
ॐ वं जल-तत्त्वात्मकं नैवेद्यं श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रीतये निवेदयामि नमः ।
ॐ सं सर्व-तत्त्वात्मकं ताम्बूलं श्रीबाला-त्रिपुर-सुन्दरी-प्रीतये समर्पयामि नमः ।

मन्त्र–ॐ नमो भगवति! 'ऐं-क्लीं-सौः' श्री महा-मूल-बीजे! मम भोग-मोक्षतां देहि ह्रीं नमस्ते ह्रीं स्वाहा ।।

नामावली-जप

ॐ श्री श्रीबालायै नमः
ॐ श्री बालिन्यै नमः
ॐ श्री बाल्यै नमः
ॐ श्री बाल-चन्द्र-सुफालिकायै नमः
ॐ श्री बालक्यै नमः
ॐ श्री बाल-वृन्दायै नमः
ॐ श्री बाल-सूर्य-सम-प्रभायै नमः
ॐ श्री बालिकायै नमः
ॐ श्री बक-हार्यै नमः
ॐ श्री बलाकाक्ष्यै नमः ।।१०
ॐ श्री बलायुधायै नमः
ॐ श्री बालेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बलासक्तायै नमः
ॐ श्री बल-धारायै नमः
ॐ श्री बल-प्रभायै नमः
ॐ श्री बल-वाहायै नमः
ॐ श्री बल-कार्यै नमः
ॐ श्री बकारार्थ-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बन्धुक्यै नमः
ॐ श्री बन्धु-वर्गायै नमः ।।२०
ॐ श्री बन्धूक-कुसुमाननायै नमः
ॐ श्री बान्धव्यै नमः
ॐ श्री बन्धर्यै नमः
ॐ श्री बन्ध्यै नमः
ॐ श्री बम्भराक्ष्यै नमः
ॐ श्री बलाकिन्यै नमः
ॐ श्री बन्धु-पालायै नमः
ॐ श्री बन्धु-वृद्धियै नमः
ॐ श्री बम्भरालि-सुमालिकायै नमः
ॐ श्री बन्धुकाङ्क्ष्यै नमः ।।३०
ॐ श्री बाल-बीजायै नमः
ॐ श्री बीजाबीज-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बीजेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बीज-रूपायै नमः
ॐ श्री बीज-मध्य-प्रवर्तिकायै नमः
ॐ श्री बीजाङ्गायै नमः
ॐ श्री बीज-मूलायै नमः
ॐ श्री बीज-तत्त्व-समायुतायै नमः
ॐ श्री बीज-योगायै नमः
ॐ श्री बीज-कवचायै नमः ।।४०

ॐ श्री बीज-नेत्रायै नमः
ॐ श्री बीज-भृते नमः
ॐ श्री बीजाक्षर-समायुक्त-मुख-चन्द्र-विराजितायै नमः
ॐ श्री बीज-नाभ्यै नमः
ॐ श्री बीज-जालायै नमः
ॐ श्री बीज-कण्ठ-विमण्डितायै नमः
ॐ श्री बीज-कन्दायै नमः
ॐ श्री बीज-मन्त्रायै नमः
ॐ श्री बीजेश्यै नमः
ॐ श्री बीज-नायिकायै नमः ।।५०
ॐ श्री बीजात्मिकायै नमः
ॐ श्री बीज-मूलायै नमः
ॐ श्री बीज-मूलेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बर्यै नमः
ॐ श्री बहिरन्तः-कलायै नमः
ॐ श्री बाह्यै नमः
ॐ श्री बहिरन्तर्निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बहिः-कालायै नमः
ॐ श्री बहिर्भावायै नमः
ॐ श्री बहिरन्तः-पदावल्यै नमः ।।६०
ॐ श्री बहिरन्तर्याग-युक्तायै नमः
ॐ श्री बहिर्भूतायै नमः
ॐ श्री बहिः-स्वरायै नमः
ॐ श्री बहिर्वासायै नमः
ॐ श्री बहिर्मोहायै नमः
ॐ श्री बहिर्बीजायै नमः
ॐ श्री बडेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बन्धिन्यै नमः
ॐ श्री बाल-पंक्त्यै नमः
ॐ श्री बन्धाबन्ध-विवर्जितायै नमः ।।७०
ॐ श्री ब्रह्म्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्मायै नमः
ॐ श्री बलायै नमः
ॐ श्री बह्यायै नमः
ॐ श्री बद्धपास्य-प्रभञ्जन्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्मेश्वर्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-देव्यै नमः
ॐ श्री बकारान्तः-प्रवेशिकायै नमः
ॐ श्री बल-हस्तायै नमः
ॐ श्री बलोत्कर्षायै नमः ।।८०
ॐ श्री बर्बर्यै नमः
ॐ श्री बर्बरासनायै नमः
ॐ श्री बर्बराक्ष्यै नमः
ॐ श्री बर्बरेश्यै नमः
ॐ श्री बर्बासुर-विखण्डिन्यै नमः
ॐ श्री बुद्-बुद्यै नमः
ॐ श्री बुद्-बुदाभायै नमः
ॐ श्री बुद्-बुदाक्षर-संयुतायै नमः
ॐ श्री बृहन्नाम्न्यै नमः
ॐ श्री बृहद्-रोम-राजितायै नमः ।।९०
ॐ श्री बृहदीश्वर्यै नमः
ॐ श्री बालानल-समायुक्तायै नमः
ॐ श्री बाल-भूत-हरायै नमः
ॐ श्री बृह्यै नमः
ॐ श्री बृहन्निष्ठायै नमः
ॐ श्री वृहत्-कर्षायै नमः
ॐ श्री बृहन्मार्गायै नमः
ॐ श्री बुधेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बुध-वन्द्यायै नमः
ॐ श्री बुधासक्तायै नमः ।।१००
ॐ श्री बुध-शक्रादि-वन्दितायै नमः
ॐ श्री बुद्धिदायै नमः
ॐ श्री बुद्धिन्यै नमः
ॐ श्री बुद्ध्यै नमः
ॐ श्री बुद्धि-रूपा बृहन्निध्यै नमः
ॐ श्री बुद्ध्यात्मिकायै नमः

ॐ श्री बुद्धि-वासायै नमः
ॐ श्री बुद्धि-चार-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बुद्धि-बीजायै नमः
ॐ श्री बृहन्निद्रायै नमः ।।११०
ॐ श्री बुद्धि-कृते नमः
ॐ श्री बुद्धि-वासिन्यै नमः
ॐ श्री बुद्धि-निष्ठायै नमः
ॐ श्री बुद्धि-सेव्यायै नमः
ॐ श्री बुद्धि-मात्रे नमः
ॐ श्री बुद्धक्यै नमः
ॐ श्री बुद्धि-मध्य-भवासक्तायै नमः
ॐ श्री बुद्धि-रूपा बोधिन्यै नमः
ॐ श्री बुद्ध-पुष्प-समायुक्त-वीर-मालायै नमः
ॐ श्री बुद्ध-विभूषितायै नमः ।।१२०
ॐ श्री बुद्धीश्वर्यै नमः
ॐ श्री बुद्धि-सिद्ध्यै नमः
ॐ श्री बल-दन्तायै नमः
ॐ श्री बहिर्निशायै नमः
ॐ श्री बलाक-दृष्टि-संराजायै नमः
ॐ श्री बल-पक्षि-महाऽऽसनायै नमः
ॐ श्री बलेश्वर-महा-साल्वायै नमः
ॐ श्री बलभी-नारसिंहिकायै नमः
ॐ श्री बल-शरभायै नमः
ॐ श्री बला-मालायै नमः ।।१३०
ॐ श्री बल-कारायै नमः
ॐ श्री बलोदर्यै नमः
ॐ श्री बाहु-विंशत् -समायुक्तायै नमः
ॐ श्री बाहु-सर्प-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बाहु-भूषायै नमः
ॐ श्री बाहु-कीलायै नमः
ॐ श्री बहिरन्तर्यशः-प्रदायै नमः
ॐ श्री बहिः-पद्मायै नमः
ॐ श्री बहिः-सूर्यायै नमः

ॐ श्री बहिरन्तः-क्रिया-युतायै नमः ।।१४०
ॐ श्री बकाराक्षर-संयुक्तायै नमः
ॐ श्री बाल-विष्णु-शिवेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बगलास्यायै नमः
ॐ श्री बलाकारायै नमः
ॐ श्री बगला-शक्ति-सेवितायै नमः
ॐ श्री बङ्गायै नमः
ॐ श्री बङ्गालिक्यै नमः
ॐ श्री बङ्ग्यै नमः
ॐ श्री बङ्गाल्यै नमः
ॐ श्री बङ्ग-रूपिण्यै नमः ।।१५०
ॐ श्री बङ्ग-बीजायै नमः
ॐ श्री बङ्ग-जिह्वायै नमः
ॐ श्री बङ्ग-कीलक-संयुतायै नमः
ॐ श्री बङ्ग-मन्त्रायै नमः
ॐ श्री बङ्ग-यन्त्रायै नमः
ॐ श्री बङ्ग-तन्त्रायै नमः
ॐ श्री बङ्गिन्यै नमः
ॐ श्री बङ्ग-भङ्ग-समाहार्यै नमः
ॐ श्री बिन्दु-रूपायै नमः
ॐ श्री बिलेशिकायै नमः ।।१६०
ॐ श्री बिल्ब-प्रभायै नमः
ॐ श्री बिल्ब-पत्रायै नमः
ॐ श्री बिन्दु-मध्य-सुचारिण्यै नमः
ॐ श्री बिल्ब-मुक्ताम्बिकेशायै नमः
ॐ श्री बिल्ब-पर्ण-सुमालिकायै नमः
ॐ श्री बाल-हन्त्र्यै नमः
ॐ श्री बला-नार्यै नमः
ॐ श्री बाल-वृद्ध-प्रपालिन्यै नमः
ॐ श्री बिम्ब-दन्तायै नमः
ॐ श्री बिम्ब-रूपायै नमः ।।१७०
ॐ श्री बिम्ब-मध्य-विहारिण्यै नमः
ॐ श्री बिम्बोष्ठ्यै नमः

ॐ श्री बिम्ब-हर्त्र्यै नमः
ॐ श्री बिम्ब-नेत्रायै नमः
ॐ श्री बिम्ब-भृते नमः
ॐ श्री बिम्बाबिम्ब-विसर्जायै नमः
ॐ श्री बिम्बेश्वर-विमोहिन्यै नमः
ॐ श्री बिम्बासुर-हरायै नमः
ॐ श्री बिभ्र्यै नमः
ॐ श्री बिभ्राण्यै नमः ।।१८०
ॐ श्री बिभ्र-मालिकायै नमः
ॐ श्री बिभ्राणि-तनगायै नमः
ॐ श्री बिस्यै नमः
ॐ श्री बिभ्रच्चक्रायै नमः
ॐ श्री बिलायुधायै नमः
ॐ श्री बिलेश्वर-समावन्द्यायै नमः
ॐ श्री बिल्व-मूल-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बिल्व-मध्यायै नमः
ॐ श्री बिल्वकाग्रायै नमः
ॐ श्री बृन्दावन-विहारिण्यै नमः ।।१९०
ॐ श्री बृन्देश्यै नमः
ॐ श्री बृन्द-मध्यस्थायै नमः
ॐ श्री बृन्दाबृन्द-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बृन्द-बीजायै नमः
ॐ श्री बृन्द-मूलायै नमः
ॐ श्री बृन्दी-कृत-सुकायै नमः
ॐ श्री बण्यै नमः
ॐ श्री बृन्देश्वर्यै नमः
ॐ श्री बृन्द-मालायै नमः
ॐ श्री बृन्दावन-वनेश्वर्यै नमः ।।२००
ॐ श्री बृन्दावनस्था-देवेश्यै नमः
ॐ श्री बृन्दाबृन्द-करेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बृन्दावन्यै नमः
ॐ श्री बृन्द-केश्यै नमः
ॐ श्री बृन्दि-तालक-संयुतायै नमः
ॐ श्री बृन्दासुर-वधोत्कर्षायै नमः
ॐ श्री बृन्दावन-शिरवान्तरायै नमः
ॐ श्री बृन्द-वृक्ष-समायुक्त-हस्त-पद्म-विराजितायै नमः
ॐ श्री बिसासक्तायै नमः
ॐ श्री बिसाचारायै नमः ।।२१०
ॐ श्री बिस-मन्त्रायै नमः
ॐ श्री बिसेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बिस-हस्तायै नमः
ॐ श्री बिसाकारायै नमः
ॐ श्री बिस-सद्भाव-कारिण्यै नमः
ॐ श्री बिस-मूलायै नमः
ॐ श्री बिसोत्कर्षायै नमः
ॐ श्री बिसाबिस-गणेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बिस-तन्तु-तनीयाभायै नमः
ॐ श्री बिस-पल्लव-पादुकायै नमः ।।२२०
ॐ श्री वृहत्-कुम्भ-स्तन-द्वन्द्वायै नमः
ॐ श्री बृहत्यै नमः
ॐ श्री बृहि-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बृहत्कार्यै नमः
ॐ श्री बृहच्छत्रायै नमः
ॐ श्री बृहद्वीरायै नमः
ॐ श्री बृहीश्वर्यै नमः
ॐ श्री बुध-राजेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बृङ्कायै नमः
ॐ श्री बृङ्काबृङ्क-गणेश्वर्यै नमः ।।२३०
ॐ श्री बुधावतारिण्यै नमः
ॐ श्री बृञ्ज्यै नमः
ॐ श्री बृङ्क-सर्प-विमालिन्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-निष्ठायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-तत्त्वायै नमः
ॐ श्री ब्रह्माब्रह्म-विचारिण्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-शब्दायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-कीर्त्यै नमः

ॐ श्री ब्रह्माण्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-शक्तिन्यै नमः ।।२४०
ॐ श्री ब्रह्मेश्वर्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-मात्रे नमः
ॐ श्री ब्रह्म-बीजायै नमः
ॐ श्री बहू-दयायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-पादायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-वन्द्यायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-तत्त्वार्थ-वादिन्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्मेश्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्मर्यै नमः
ॐ श्री ब्राह्म्यै नमः ।।२५०
ॐ श्री ब्रह्माण्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-जीविकायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-प्राण-महा-शक्त्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्मण्येश्वर-वन्दितायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-पुत्र्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-भार्यायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-मायायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-भृते नमः
ॐ श्री ब्रह्म-वक्त्र-निवासायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-शब्द-मयात्मिकायै नमः ।।२६०
ॐ श्री ब्रह्म-लोक-समावासायै नमः
ॐ श्री ब्रह्मादि-शिव-सेवितायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-कमण्डलु-भूतायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-विद्या-समायुतायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-विद्यात्मिकायै नमः
ॐ श्री ब्राङ्मयै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-बोध-प्रबोधिन्यै नमः
ॐ श्री बोध्यै नमः
ॐ श्री बोधेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बोधायै नमः ।।२७०
ॐ श्री बोधिन्यै नमः

ॐ श्री बोध-रूपिण्यै नमः
ॐ श्री बोधान्तस्थायै नमः
ॐ श्री बोध-नित्यायै नमः
ॐ श्री बोध-शृक्तायै नमः
ॐ श्री बोध-भृते नमः
ॐ श्री बोध-नेत्र-सहस्रायै नमः
ॐ श्री बोधेश्यै नमः
ॐ श्री बोध-हेलिकायै नमः
ॐ श्री बोध-बीजायै नमः ।।२८०
ॐ श्री बोध-कालायै नमः
ॐ श्री बोधाबोध-विवर्जितायै नमः
ॐ श्री बोध-मुक्तेश्वरासक्तायै नमः
ॐ श्री बोधघ्नायै नमः
ॐ श्री बोध-दायिन्यै नमः
ॐ श्री बोध-मात्रे नमः
ॐ श्री बोध-पूर्णायै नमः
ॐ श्री बोध-शक्ति-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बोधवत्यै नमः
ॐ श्री बोध-वचायै नमः ।।२९०
ॐ श्री बोधी-कृत-सुशब्दिन्यै नमः
ॐ श्री बोधितेन्द्र-समावेशायै नमः
ॐ श्री बोधाबोध-परायिण्यै नमः
ॐ श्री बोध-राक्षस-संहर्त्र्यै नमः
ॐ श्री बोध-बीज-निपातिन्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-रक्षः-समाकर्षायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-राक्षस-मोहिन्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-रक्षः-समावेशायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-राक्षस किङ्करायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-रक्षो-महोच्चाटायै नमः ।।३००
ॐ श्री ब्रह्म-राक्षस-मारिण्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-रक्षो-महा-स्तम्भ्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-राक्षस-रक्तपायै नमः
ॐ श्री ब्रह्मेश्यै नमः

ॐ श्री ब्राह्मणासक्तायै नमः
ॐ श्री ब्राह्मणस्थायै नमः
ॐ श्री बाण-भृते नमः
ॐ श्री ब्रह्मेश्वर-समासेव्यायै नमः
ॐ श्री ब्राह्मण-प्रिय-मानस्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-गन्धायै ।।३१०
ॐ श्री ब्रह्म-धूपायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-पूजायै नमः
ॐ श्री बलङ्कर्यै नमः
ॐ श्रीब्रह्म-विष्णु-महादेव-परब्रह्म-मयात्मिकायैनमः
ॐ श्री ब्रह्म-किन्नर-गन्धर्व-यक्ष-भूत-ग्रहेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाणाधारायै नमः
ॐ श्री बाण-मध्यायै नमः
ॐ श्री बाण-पृष्ठ-विराजितायै नमः
ॐ श्री बाणेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाण-वासायै नमः ।।३२०
ॐ श्री बाण-लिङ्ग-धराऽम्बिकायै नमः
ॐ श्री बाण-लिङ्गेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाण्यै नमः
ॐ श्री बाणिन्यै नमः
ॐ श्री बाण-रूपिण्यै नमः
ॐ श्री बाण-हस्तायै नमः
ॐ श्री बाण-चक्रायै नमः
ॐ श्री बाणीरासन-मण्डितायै नमः
ॐ श्री बाणिर्यै नमः
ॐ श्री बाण-बीजायै नमः ।।३३०
ॐ श्री बाण-सिंह-हरार्पितायै नमः
ॐ श्री बाणीरेश्यै नमः
ॐ श्री बाण-तन्त्रायै नमः
ॐ श्री बाण-मन्त्र-विमोहिन्यै नमः
ॐ श्री बाण-मन्त्र-सुनाम्न्यै नमः
ॐ श्री बाणासुर-विमर्द्दिन्यै नमः
ॐ श्री बाणासुर-हरेशान्यै नमः

ॐ श्री बाणा-बाण-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बाणाकारायै नमः
ॐ श्री बाण-वदन्यै नमः ।।३४०
ॐ श्री बाणानन्द-प्रदायिन्यै नमः
ॐ श्री बाण-मूर्ति-समुत्कर्षायै नमः
ॐ श्री बाण-शम्भु-सुपृष्ठकायै नमः
ॐ श्री बदर्यै नमः
ॐ श्री बद-रूपायै नमः
ॐ श्री बदर्यर्थ-समायुतायै नमः
ॐ श्री बधिर्यै नमः
ॐ श्री बद-वासायै नमः
ॐ श्री बादरायण-पूजितायै नमः
ॐ श्री बाद-नारायण्यै नमः ।।३५०
ॐ श्री बन्ध्यै नमः
ॐ श्री बण्डावलि-विराजितायै नमः
ॐ श्री बण्डेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बण्ड-बीजायै नमः
ॐ श्री बद्रि-नारायणार्च्चितायै नमः
ॐ श्री बदरेश्वर-सम्वन्द्यायै नमः
ॐ श्री बदरी-वन-वासिन्यै नमः
ॐ श्री बदरी-फल-कुञ्चाङ्गायै नमः
ॐ श्री बदरी-फल-सम्प्रियायै नमः
ॐ श्री बृन्दावन-समारूढायै नमः ।।३६०
ॐ श्री बड-काष्ठ-मयायै नमः
ॐ श्री बण्डासुर-वधोद्युक्तायै नमः
ॐ श्री बण्ड-हाल-हलायुधायै नमः
ॐ श्री बिम्बाक्ष्यै नमः
ॐ श्री बिन्दिन्यै नमः
ॐ श्री बिन्ध्यै नमः
ॐ श्री बिन्दूव्यै नमः
ॐ श्री बिन्दु-कलात्मिकायै नमः
ॐ श्री बहु-रूपायै नमः
ॐ श्री बहूत्साहायै नमः ।।३७०

ॐ श्री बहु-मन्त्रायै नमः
ॐ श्री बहु-प्रियायै नमः
ॐ श्री बहु-वादायै नमः
ॐ श्री बहुच्छायायै नमः
ॐ श्री बहु-वार्तायै नमः
ॐ श्री बह्वै नमः
ॐ श्री बहु-बीजायै नमः
ॐ श्री बलेशान्यै नमः
ॐ श्री बहु-कीर्त्यै नमः
ॐ श्री बहु-धरायै नमः ।।३८०
ॐ श्री बहु-योगायै नमः
ॐ श्री बिन्दु-वर्गायै नमः
ॐ श्री बिन्दायै नमः
ॐ श्री बिन्दु-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बिन्दु-शत्रु-ललापानायै नमः
ॐ श्री बैन्दवासन-रञ्जितायै नमः
ॐ श्री बिन्दु-मण्डल-मध्यस्थायै नमः
ॐ श्री बिन्दुस्थै नमः
ॐ श्री बिन्दु-मालिन्यै नमः
ॐ श्री बिन्दु-युक्त-समावर्णायै नमः ।।३९०
ॐ श्री बिन्दु-सर्ग-विमातृकायै नमः
ॐ श्री बीज-कूट-त्रयायै नमः
ॐ श्री बीज्यै नमः
ॐ श्री बीजेश्वर-सुवाहिन्यै नमः
ॐ श्री बीजासुर-मांस-खण्डायै नमः
ॐ श्री बीजानन्द-स्वरूपिण्यै नमः
ॐ श्री बीज-नाथायै नमः
ॐ श्री बीज-क्रूरायै नमः
ॐ श्री बीजङ्कर-विवन्दितायै नमः
ॐ श्री बीज-पूरायै नमः ।।४००
ॐ श्री बीज-पूर्णायै नमः
ॐ श्री बुण्ड-दण्ड-विधारिण्यै नमः
ॐ श्री बूर्णायै नमः
ॐ श्री बूर्ण-स्वरूपायै नमः
ॐ श्री बूर्ण-ब्रह्म-महा-ध्वजायै नमः
ॐ श्री बृहन्नाथायै नमः
ॐ श्री बृहद्-विश्वायै नमः
ॐ श्री बृहदग्नि-विनाशिन्यै नमः
ॐ श्री बृहद्-भूमि-धरायै नमः
ॐ श्री बूण्यै नमः ।।४१०
ॐ श्री बूणीताक्षर-मालिकायै नमः
ॐ श्री बूणिकायै नमः
ॐ श्री बूसणारायै नमः
ॐ श्री ब्रष-हस्ता-कुलेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाणालङ्कार-देहायै नमः
ॐ श्री बाणानन्दन-वाहिन्यै नमः
ॐ श्री बलि-प्रियायै नमः
ॐ श्री बलादेशायै नमः
ॐ श्री बलि-हस्त-द्वयान्वितायै नमः
ॐ श्री बलि-कालायै नमः ।।४२०
ॐ श्री बल्हि-रात्र्यै नमः
ॐ श्री बलि-भक्षण-मण्डितायै नमः
ॐ श्री बलि-धर्मायै नमः
ॐ श्री बहिः-सोमायै नमः
ॐ श्री बलि-मित्रायै नमः
ॐ श्री बलाननायै नमः
ॐ श्री बलि-विश्व-मनोराजायै नमः
ॐ श्री बल्यन्तर-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बलि-नियमायै नमः
ॐ श्री बहिर्मुण्डायै नमः ।।४३०
ॐ श्री बहु-सर्प-विष-प्रियायै नमः
ॐ श्री बहिर्मुण्डाबर्हिः-क्षुरायै नमः
ॐ श्री बाला-मणि-विपूजितायै नमः
ॐ श्री बद्ध-मुक्ता-फलाङ्गायै नमः
ॐ श्री बिम्ब-विद्रुम-मण्डितायै नमः
ॐ श्री बलाक-गुरु-सन्मार्गायै नमः

ॐ श्री बल-वद्-गुरु-वन्दितायै नमः
ॐ श्री बलावत्यै नमः
ॐ श्री बला-शक्त्यै नमः
ॐ श्री बक-जृम्भ-विमर्दिन्यै नमः ।।४४०
ॐ श्री बन्ध-चक्रेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाण्यै नमः
ॐ श्री बाणाबाण-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बाण-मध्योदकायै नमः
ॐ श्री बाहायै नमः
ॐ श्री बल-वद्-गरुडासनायै नमः
ॐ श्री बल-वद्-वृषभारूढायै नमः
ॐ श्री बल-वद्-राज-हंसिकायै नमः
ॐ श्री बकिन्यै नमः
ॐ श्री बाकिन्यै नमः ।।४५०
ॐ श्री ब्रान्दायै नमः
ॐ श्री बाकिनी-गण-सेवितायै नमः
ॐ श्री बिकिन्यै नमः
ॐ श्री ब्रङ्क्नियै नमः
ॐ श्री ब्रन्ध्यै नमः
ॐ श्री बङ्गालाङ्ग-समन्वितायै नमः
ॐ श्री ब्लुकिनी ब्लुङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्क्यै नमः
ॐ श्री बुकिनी बृन्दह-वन्दितायै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्किन्यै नमः ।।४६०
ॐ श्री बैकिन्यै नमः
ॐ श्री बङ्गी बङ्गालाक्षर-युक्तिन्यै नमः
ॐ श्री ब्लोङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्लौङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्लुञ्च्यै नमः
ॐ श्री बौकिनी-जाल-सन्नुता बङ्किन्यै नमः
ॐ श्री बब्रुन्यै नमः
ॐ श्री बाक्ष्यै नमः
ॐ श्री बक्षासुर-विभेदिन्यै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्कार-मूर्ति-संराजायै नमः ।।४७०
ॐ श्री ब्लुं-ब्लुन्धार-सुमण्डितायै नमः
ॐ श्री बक-योग-समाख्यातायै नमः
ॐ श्री बादि-लान्त-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बेत्यै नमः
ॐ श्री बेतालिकायै नमः
ॐ श्री बेन्यै नमः
ॐ श्री बेताल्यै नमः
ॐ श्री बेन-रूपिकायै नमः
ॐ श्री बेतालिन्यै नमः
ॐ श्री बेत-वासायै नमः ।।४८०
ॐ श्री बेताबेत-समायुतायै नमः
ॐ श्री बेतालाक्षायै नमः
ॐ श्री बेत-नासायै नमः
ॐ श्री बेताल-प्रमुखेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बेताल-वीजायै नमः
ॐ श्री बेतालायै नमः
ॐ श्री बेधाबेध-विनाशिन्यै नमः
ॐ श्री बुद्धि-तारायै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्कारायै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्काब्लुङ्क-विचारिण्यै नमः ।।४९०
ॐ श्री ब्लुङ्क-केश्यै नमः
ॐ श्री ब्लेङ्क-वासायै नमः
ॐ श्री ब्लंहिङ्कार-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बं-हुङ्कार-मुख्यै नमः
ॐ श्री बाच्यै नमः
ॐ श्री ब्लोङ्कारासक्त-मानसायै नमः
ॐ श्री बड-वीजेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बायायै नमः
ॐ श्री बडवानल-लोचन्यै नमः
ॐ श्री बिन्दु-बाल्यै नमः ।।५००
ॐ श्री बंग्य-कूर्मायै नमः
ॐ श्री बंग्याबंग्य-सुमच्छिकायै नमः

ॐ श्री बंग्य-पीठ-समावासायै नमः
ॐ श्री बंग्य-वर्णोऽनुकूलिन्यै नमः
ॐ श्री बङ्गेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बङ्ग-नित्यायै नमः
ॐ श्री बंग्य-सिंह-सुवाहनायै नमः
ॐ श्रीबींग्य-कीलक-संयुक्त-ऋषिछन्दोऽनुकूलिकायैनमः
ॐ श्री बेलक्यै नमः
ॐ श्री बेल-नेत्रायै नमः ।।५१०
ॐ श्री बिड-लक्षण-संयुतायै नमः
ॐ श्री बिंढ्य-बीजायै नमः
ॐ श्री बिंढ्य-नाड्यै नमः
ॐ श्री विंढ्याविंढ्य-प्रवर्तिकायै नमः
ॐ श्री बडाभय-धरायै नमः
ॐ श्री बिल्यै नमः
ॐ श्री बिल्व-केशानु-वन्दितायै नमः
ॐ श्री बिभ्रणीत-सम्पवर्गायै नमः
ॐ श्री विभ्राभ्राकाश-वाहिन्यै नमः
ॐ श्री बिभ्रभ्र-बकुपालाख्यायै नमः ।।५२०
ॐ श्री बन्द्यै नमः
ॐ श्री बादि-सुवर्णिन्यै नमः
ॐ श्री बीज-लक्ष-समाख्यातायै नमः
ॐ श्री बीज-युक्त-शिरो-युतायै नमः
ॐ श्री बीज-मन्त्र-समालाख्यायै नमः
ॐ श्री बीजाबीजात्मिकायै नमः
ॐ श्री बज्यै नमः
ॐ श्री बर्हिर्बर्हिण्यै नमः
ॐ श्री बर्हायै नमः
ॐ श्री बर्हाक्ष्यै नमः ।।५३०
ॐ श्री बर्हि-मण्डलायै नमः
ॐ श्री बर्हि-धारायै नमः
ॐ श्री बर्हि-वज्रायै नमः
ॐ श्री बर्हि-भूत-विनाशिन्यै नमः
ॐ श्री बाला-बाल-प्रबोधायै नमः
ॐ श्री बर्हि-चूडामणि-स्तुतायै नमः
ॐ श्री बाजक्यै नमः
ॐ श्री बञ्ज-रूपायै नमः
ॐ श्री बञ्ज-दम्भ-प्रहारिण्यै नमः
ॐ श्री बिन्तकास्यै नमः ।।५४०
ॐ श्री बीज-कीलायै नमः
ॐ श्री बीलाबील-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बिंधदायै नमः
ॐ श्री ब्राङ्क्षिण्यै नमः
ॐ श्री ब्रङ्ग्यै नमः
ॐ श्री ब्रङ्गाङ्गासक्त-मङ्गलायै नमः
ॐ श्री बिव्युकण्टायै नमः
ॐ श्री बिसु-हारायै नमः
ॐ श्री बिण्डीरादि-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बलि-भिघ्नायै नमः ।।५५०
ॐ श्री बिडी-क्रूरायै नमः
ॐ श्री बैड-तन्त्र-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बन्धुर्यै नमः
ॐ श्री बन्ध-बान्धाल्यै नमः
ॐ श्री बन्ध-राज-बलेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बलभद्र्यै नमः
ॐ श्री बलेच्छायै नमः
ॐ श्री बलभद्र-प्रयोगिन्यै नमः
ॐ श्री बलभद्र-सुमात्रायै नमः
ॐ श्री बलभद्र-सहोदर्यै नमः ।।५६०
ॐ श्री बलभद्र-प्रियायै नमः
ॐ श्री बाड्धिर्बाध्याबाध्य-विनाशिन्यै नमः
ॐ श्री बलभद्रेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बल्यै नमः
ॐ श्री बलराकार-मण्डितायै नमः
ॐ श्री बलोत्कृष्टायै नमः
ॐ श्री बलोद्भोजायै नमः
ॐ श्री बल-शत्रु-निकृन्तिन्यै नमः

ॐ श्री बलरामेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाल्यायै नमः ।।५७०
ॐ श्री बाल्याबाल्य-विनोदिन्यै नमः
ॐ श्री बलराम-प्रियायै नमः
ॐ श्री ब्रङ्क्यै नमः
ॐ श्री ब्रङ्किणी-गण-मध्यगायै नमः
ॐ श्री बल-राज-बहिष्कार्यै नमः
ॐ श्री बहिष्कारेश्वरार्चितायै नमः
ॐ श्री बहिष्कारी-कृता-देवायै नमः
ॐ श्री बहिष्कारासनेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बहिष्कृत-महा-भूतायै नमः
ॐ श्री बहिरन्तः-प्रदीपिकायै नमः ।।५८०
ॐ श्री बहु-सम्वित्-समायुक्त-पाणये नमः
ॐ श्री बहु-चक्र-विराजितायै नमः
ॐ श्री ब्लाङ्कार्यै नमः
ॐ श्री ब्ल्याङ्कार्यै नमः
ॐ श्री बांबींब्ल्यंब्ल्य-बीज-रूपिण्यै नमः
ॐ श्री ब्राह-कार्यै नमः
ॐ श्री ब्रुन्धराकार्यै नमः
ॐ श्री बखगाक-सुवर्णिकायै नमः
ॐ श्री ब्लङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्लाङ्किन्यै नमः ।।५९०
ॐ श्री ब्लुङ्क्यै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्क-श्रीगण-सेवितायै नमः
ॐ श्री ब्लीकिन्यै नमः
ॐ श्री ब्लीङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्लींग्र्यै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्कही-गण-वन्दितायै नमः
ॐ श्री ब्रङ्किट्यै नमः
ॐ श्री ब्राङ्किट्यै नमः
ॐ श्री ब्रण्ट्यै नमः
ॐ श्री ब्रङ्किणी-नुत-पादिन्यै नमः ।।६००
ॐ श्री ब्रिङ्किट्यै नमः
ॐ श्री ब्रीङ्किट्यै नमः
ॐ श्री ब्रुण्ड्यै नमः
ॐ श्री ब्रुंकुट्यै नमः
ॐ श्राी ब्रुकुट्यै नमः
ॐ श्री ब्रेङ्किट्यै नमः
ॐ श्री ब्रैकिन्यै नमः
ॐ श्री बंक्लीं-धारिण्यै नमः
ॐ श्री ब्रुग-मालिन्यै नमः
ॐ श्री ब्रौङ्किट्यै नमः ।।६१०
ॐ श्री ब्रौङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्रमै-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बिल्व-लोचन्यै नमः
ॐ श्री ब्रङ्किन्यै नमः
ॐ श्री ब्राहिकासक्तायै नमः
ॐ श्री ब्रःकीट्यै नमः
ॐ श्री बुकु-कुण्डल्यै नमः
ॐ श्रीबुत्-कुण्डल-करासक्त-मनोबुद्धि-विराजितायैनमः
ॐ श्री बीङ्कल-ह्रीं-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बीन्यै नमः ।।६२०
ॐ श्री बङ्कल ह्रीं-विधारिण्यै नमः
ॐ श्री बाक-पंक्ति-समावाहायै नमः
ॐ श्री बाक-पंक्ति-श्रीं ह्रीं ऐं कं-विधारिण्यै नमः
ॐ श्री बहु-सम्पत्-समाध्यातायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-कल्पामृतेश्वर्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-शास्त्र-समामोहायै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-कर्मानुमण्डितायै नमः
ॐ श्री बार्वासन-समाख्यातायै नमः
ॐ श्री बुल-जाल-प्रमोहिकायै नमः
ॐ श्री बहु-मासायै नमः ।।६३०
ॐ श्री बाह्व्यै नमः
ॐ श्री बान्ध्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्म-पुत्रादि-पूजितायै नमः
ॐ श्री बालाकिन्यै नमः

ॐ श्री बाक-सह-मूल-बीजाक्षर्यै नमः
ॐ श्री वेदी-कृत-महा-द्वीपायै नमः
ॐ श्री बें-बैं-बों-भूः-स्वरूपिण्यै नमः
ॐ श्री बाङ्कर्यै नमः
ॐ श्री बङ्क-अंकुरायै नमः
ॐ श्री ब्लों-ब्लौं-ब्लं-ब्लः-स्वरूपिण्यै नमः ।।६४०
ॐ श्री बिल-ताल-प्रभावा-मायै नमः
ॐ श्री ब्लांद्री-स्वरूपिण्यै नमः
ॐ श्री बुभू-रक्षा-करायै नमः
ॐ श्री बुर्बिर्बुक्र-कङ्कु-हनु-क्रियायै नमः
ॐ श्री बुररेश्यै नमः
ॐ श्री बुरकाक्ष्यै नमः
ॐ श्री बुभुसा-बुल्क-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बलमानु-प्रवर्णायै नमः
ॐ श्री बादि-डान्त-सुबीजकायै नमः
ॐ श्री ब्लुहु-हाहा-हुहु-धारायै नमः ।।६५०
ॐ श्री ब्ली-हीहा-हेह-बीजकायै नमः
ॐ श्री ब्लें-हेहो-हहकी-बीजायै नमः
ॐ श्री ब्लें-ल्हां-माकाग-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बद्रकी-गण-संराज्यै नमः
ॐ श्री बद्र-रूपायै नमः
ॐ श्री बकायन्यै नमः
ॐ श्री बीजाघोरायै नमः
ॐ श्री बीज-कासायै नमः
ॐ श्री बीज-गौण-गणेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बाहु-वली-चतुर्युक्तायै नमः ।।६६०
ॐ श्री बुम्बुर्यै नमः
ॐ श्री बुम्बुरेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बुम्बराख्या-महा-नाम्न्यै नमः
ॐ श्री बुरीकानु-कूलिकायै नमः
ॐ श्री बृहस्पति-समा-वन्द्यायै नमः
ॐ श्री बुध्य-गन्धानु-कीलक्यै नमः
ॐ श्री बुध्यक्यै नमः
ॐ श्री बुध्यकेशायै नमः
ॐ श्री बुद्धी-कृत-सुवेणिकायै नमः
ॐ श्री बलायमान-कोपायै नमः ।।६७०
ॐ श्री बलि-कन्या-सुतेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बलिकारायै नमः
ॐ श्री ब्रध्वावाहायै नमः
ॐ श्री व्यंग्मंहंहुं-विधारिण्यै नमः
ॐ श्री बकलद्री-महा-रूपायै नमः
ॐ श्री बींकलद्रीङ्क-रूपिण्यै नमः
ॐ श्री बोकलद्रौं-निराभासायै नमः
ॐ श्री बङ्कलद्रीं-स्वरूपिण्यै नमः
ॐ श्री ब्लुङ्कलद्री-कृताकारायै नमः
ॐ श्री बुंसौः-ॐकार-रूपिण्यै नमः ।।६८०
ॐ श्री बिकलद्रां-कृताकारायै नमः
ॐ श्री बिन्द्रायै नमः
ॐ श्री बीं-बीज-वेक्षिकायै नमः
ॐ श्री ऐं-क्लीं-सौः-महा-बीजायै नमः
ॐ श्री सौः-क्लीं-ऐं-वेश्म-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बीण्डवाल्यै नमः
ॐ श्री विण्डोत्कृष्टा-सुर्बीड-द्रव-संयुतायै नमः
ॐ श्री बीढ्य-तालु-सुमूलायै नमः
ॐ श्री बिम्बीढ्यै नमः
ॐ श्री बार्यै नमः ।।६९०
ॐ श्री बिकालिकायै नमः
ॐ श्री बिम्भक्ष-कीटि-चन्द्रार्कायै नमः
ॐ श्री बिम्भाबिम्भ-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बिलह-कलायै नमः
ॐ श्री बिध्रि-कालायै नमः
ॐ श्री बिम्भ-शेखर-सन्नुतायै नमः
ॐ श्री ब्रत्किसोर्ड-बिल-कोट्यै नमः
ॐ श्री बद्रि-पद्मासन-स्थितायै नमः
ॐ श्री ब्रल-धुरायै नमः
ॐ श्री ब्रल-छुभ्रायै नमः ।।७००

ॐ श्री बृण-कृते नमः
ॐ श्री बाकषी-वष्यै नमः
ॐ श्री ब्रणीक्षर-समायुक्तायै नमः
ॐ श्री ब्रणीक्षर-माला-मन्त्र-विराजितायै नमः
ॐ श्री ब्रणत्-पूर्णायै नमः
ॐ श्री ब्रण-ग्राह्यायै नमः
ॐ श्री ब्रण्याब्रण्य-विवर्जितायै नमः
ॐ श्री ब्रणद्-बुर्ण्य-ब्रणित्-सर्पायै नमः
ॐ श्री ब्रण्याण्यै नमः
ॐ श्री ब्रण्य-वासिन्यै नमः ।।७१०
ॐ श्री बुर्कघ्नायै नमः
ॐ श्री बुकिलासक्तायै नमः
ॐ श्री बुक-किङ्कर-वन्दितायै नमः
ॐ श्री बुगम्मुगित-मीनाक्ष्यै नमः
ॐ श्री बुटाका-नट-वस्त्रिण्यै नमः
ॐ श्री ब्रणि-श्रोत्र-महा-शब्दायै नमः
ॐ श्री ब्रणत्-कीलक-भुम्भुजायै नमः
ॐ श्री बुकि-भुकत-मानेश्यै नमः
ॐ श्री बुर्भ-मण्डल-बिण्डरायै नमः
ॐ श्री बिकटायै नमः ।।७२०
ॐ श्री बिकटाघोरायै नमः
ॐ श्री बीडकोत्कर्ष-दर्विकायै नमः
ॐ श्री बिडारक्त-प्रभावायै नमः
ॐ श्री बीडम-द्रुम-मण्डलायै नमः
ॐ श्री बिध्याकारायै नमः
ॐ श्री बध्यै नमः
ॐ श्री बाध्न्यै नमः
ॐ श्री बन्धगाद्य-सु-बीजक्यै नमः
ॐ श्री ब्निक-बाङ्क-स्वरूपायै नमः
ॐ श्री बिड-गिज्यायै नमः ।।७३०
ॐ श्री बिडायन्यै नमः
ॐ श्री बिम्भूताभ-समायुक्त-मन्त्र-प्रेत-विनाशिन्यै नमः
ॐ श्री बिङ्गी-गण्डा-रवायै नमः
ॐ श्री बीं-ब्रीं-बिङ्गेद्यायै नमः
ॐ श्री बिङ्ग-हेलिकायै नमः
ॐ श्री बिंग्य-देव-वरायै नमः
ॐ श्री ब्रीहि-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बिंस-रूढ़िकायै नमः
ॐ श्री बिल्क-तत्त्वार्थ-संयुक्तायै नमः
ॐ श्री बिल्केश्यै नमः ।।७४०
ॐ श्री बिल्क-रूपिण्यै नमः
ॐ श्री बिल्क-वीज-समावृत्यायै नमः
ॐ श्री बिल्काबिल्क-विहारिण्यै नमः
ॐ श्री बिल्क-गुह्या-याचमानायै नमः
ॐ श्री बिहण्यै नमः
ॐ श्री बाणह्यै नमः
ॐ श्री बिह्यै नमः
ॐ श्री बिहणार्थ-प्रपाद्यै नमः
ॐ श्री बिरणी-गण-वन्दितायै नमः
ॐ श्री बिहणासक्त-जीवायै नमः ।।७५०
ॐ श्री बिन्द-पञ्चेश्वरीङ्गण्यै नमः
ॐ श्री बिन्दाबिन्द-सुमालास्यायै नमः
ॐ श्री बिन्द-राक्षस-भञ्जन्यै नमः
ॐ श्री बिट-पुत्रादि-निर्ध्वंसायै नमः
ॐ श्री बिट्टिणी-वृन्द-वन्दितायै नमः
ॐ श्री बिट्-क्रसद्वापमानाख्यायै नमः
ॐ श्री बिट्-क्रुधारायै नमः
ॐ श्री बैतक्यै नमः
ॐ श्री बिट्-पटयै नमः
ॐ श्री बिट-क्रूर्यै नमः ।।७६०
ॐ श्री बिद्राबिद्र-विनोदिन्यै नमः
ॐ श्री बिद्य-कान्त-सुवर्णाख्यायै नमः
ॐ श्री बिद्रोस्यै नमः
ॐ श्री बिद्र-कङ्काल्यै नमः
ॐ श्री बिद्रासुर-प्रमोहायै नमः
ॐ श्री बिद्रोत्कर्षायै नमः

ॐ श्री बिद्र-भृते नमः
ॐ श्री बिललितायै नमः
ॐ श्री बिलोत्पाटायै नमः
ॐ श्री बिल्व-लिटेश-वन्दितायै नमः ।।७७०
ॐ श्री बिभ्रि-कम्भोल-विश्वाख्यायै नमः
ॐ श्री बिभ्रत्-कुण्डल-मण्डितायै नमः
ॐ श्री बिछुहारायै नमः
ॐ श्री बिलुल्हायै नमः
ॐ श्री बिभ्रत्-किन्न-स्वरूपिण्यै नमः
ॐ श्री बिछु-कछुप-हारायै नमः
ॐ श्री बिक-कख्यानुकूलिन्यै नमः
ॐ श्री बिचम्भर्यै नमः
ॐ श्री बिचोत्कृष्टायै नमः
ॐ श्री बिच्याबिच्य-बिलासिन्यै नमः ।।७८०
ॐ श्री बिच्य-कालक-कङ्काल्यै नमः
ॐ श्री बिच-कङ्काल-मालिकायै नमः
ॐ श्री बिन्क-विनृ-विला-मालायै नमः
ॐ श्री बिन्क-साक्षाच-कारिण्यै नमः
ॐ श्री बलम्बली-विश्रुहाण्यै नमः
ॐ श्री बिस्राबिस्र-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बिद्व-कद्व-कथायै नमः
ॐ श्री बिड्व्यै नमः
ॐ श्री बिड्वाबिड्व-तसान्तरायै नमः
ॐ श्री बिडवाहायै नमः ।।७९०
ॐ श्री बिड्-विरक्तायै नमः
ॐ श्री बिड्क-दूषक-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बुदक्षर-समायुक्तायै नमः
ॐ श्री बिड्-वारियानुवर्तिन्यै नमः
ॐ श्री बिकटाक्ष-लसोद्यानायै नमः
ॐ श्री बिकटाङ्ग-स्वरार्चितायै नमः
ॐ श्री बिसत्-बृस्नायै नमः
ॐ श्री बिषद्रामायै नमः
ॐ श्री विष-देवायै नमः

ॐ श्री विषत्-प्रभायै नमः ।।८००
ॐ श्री बिष्ट-भालायै नमः
ॐ श्री बिल-लोलायै नमः
ॐ श्री बलम्भोक-गुणात्मिकायै नमः
ॐ श्री विष-हादायै नमः
ॐ श्री बिषत्-सूर्यायै नमः
ॐ श्री बिकध्यै नमः
ॐ श्री बिधराधरायै नमः
ॐ श्री बिकव्यम्भायै नमः
ॐ श्री विषड्-धीरायै नमः
ॐ श्री बिण-णंण्यै नमः ।।८१०
ॐ श्री बिणायुधायै नमः
ॐ श्री बिण-मात्रे नमः
ॐ श्री बिणच्पायायै नमः
ॐ श्री ब्रिनु-चर्चायै नमः
ॐ श्री ब्रिनुत्-प्रभायै नमः
ॐ श्री ब्रिस्य-हालहला-युक्तायै नमः
ॐ श्री बिष्क्रण्यै नमः
ॐ श्री बिष्क्र-रूपिण्यै नमः
ॐ श्री बिष्क्रान्तस्थायै नमः
ॐ श्री बुनत्-स्वर्णायै नमः ।।८२०
ॐ श्री बुनक्ष्यै नमः
ॐ श्री बुष्कि-धासिन्यै नमः
ॐ श्री बृष्यासुर-विभेदायै नमः
ॐ श्री ब्रष्याब्रष्य-करीरिण्यै नमः
ॐ श्री बृषम्भुलायै नमः
ॐ श्री बृषोम्भालायै नमः
ॐ श्री बभ्रुदभ्रु-भयंकर्यै नमः
ॐ श्री बङण्यै नमः
ॐ श्री बङणायै नमः
ॐ श्री बंग्णायै नमः ।।८३०
ॐ श्री बंग्ण-गोण-सुशास्त्रिण्यै नमः
ॐ श्री बिणिणी-गण-मोहायै नमः

ॐ श्री बिगिडी-द्रध-पद्मकायै नमः
ॐ श्री बिल्कु-काक्यै नमः
ॐ श्री बिल-कृतायै नमः
ॐ श्री बलु-केशानुमण्डितायै नमः
ॐ श्री बिल्यु-लुहायै नमः
ॐ श्री बिलु-वासायै नमः
ॐ श्री बिल्क-मित्रादि-कृन्तन्यै नमः
ॐ श्री बिस्क-लोलायै नमः ।।८४०
ॐ श्री बिंहि-धरायै नमः
ॐ श्री बिङ्ग्यै नमः
ॐ श्री बिम्बि-सरूषिकायै नमः
ॐ श्री बिड्गिड्यै नमः
ॐ श्री बगलायै नमः
ॐ श्री बिम्बायै नमः
ॐ श्री ब्रीणुण्यै नमः
ॐ श्री ब्रुहु-हूं-हक्यै नमः
ॐ श्री बिब्रु-काक-हकासालायै नमः
ॐ श्री बिजदज्ब-सुदब्रिकायै नमः ।।८५०
ॐ श्री बिलद्-द्वेषायै नमः
ॐ श्री बिल्कु-लंक्यायै नमः
ॐ श्री बिम्भु-लाहु-हकाधरायै नमः
ॐ श्री बिल्मि-मस्मि-मलन्मालायै नमः
ॐ श्री बिल्मि-भूषायै नमः
ॐ श्री ब्रिजिङ्करायै नमः
ॐ श्री बिल्मेश्यै नमः
ॐ श्री बिल्म-देवेश्यै नमः
ॐ श्री बिल्माबिल्म-विवादिन्यै नमः
ॐ श्री बिल्मांकुश-रुजायै नमः ।।८६०
ॐ श्री बिल्म्यै नमः
ॐ श्री बिल्म-मध्यानुवर्तिकायै नमः
ॐ श्री बिल्म-खण्डायै नमः
ॐ श्री बिल्म-भीमायै नमः
ॐ श्री बिल्माबिल्म-विनायक्यै नमः
ॐ श्री बिल्म-छत्र-कराम्भोजायै नमः
ॐ श्री बल्मिण्यै नमः
ॐ श्री बल्म-ग्रन्थिकायै नमः
ॐ श्री बल्मि-धूतायै नमः
ॐ श्री बल्मि-वीजायै नमः ।।८७०
ॐ श्री बल्मि-गन्ध-विलेपन्यै नमः
ॐ श्री बल-हाल्य-हलाकारायै नमः
ॐ श्री बम्ण-बम्ण-सुबम्णिकायै नमः
ॐ श्री बण-वस्त्रायै नमः
ॐ श्री बणी-भूत्यै नमः
ॐ श्री बणि-चण्ड-विभञ्जन्यै नमः
ॐ श्री बृहद्-गणायै नमः
ॐ श्री बृहन्माणायै नमः
ॐ श्री बणि-कीण्यै नमः
ॐ श्री बणी-घन्यै नमः ।।८८०
ॐ श्री बणन्मातायै नमः
ॐ श्री बणन्मान्यायै नमः
ॐ श्री बण-वीणायै नमः
ॐ श्री बणङ्कर्यै नमः
ॐ श्री बणत् -कोशायै नमः
ॐ श्री बिह्यै नमः
ॐ श्री बोरवभ्यै नमः
ॐ श्री बोष-निवासिन्यै नमः
ॐ श्री बोख-वीजायै नमः
ॐ श्री बरवो-क्रूरायै नमः ।।८९०
ॐ श्री बिखाबिख्य-विवादिन्यै नमः
ॐ श्री बीखर्यै नमः
ॐ श्री बीखदायै नमः
ॐ श्री बाख्यै नमः
ॐ श्री बख्रा-बख्र-निवारिण्यै नमः
ॐ श्री बिखन्मूलायै नमः
ॐ श्री बिलापट्टायै नमः
ॐ श्री बिट्ट-पदेश्वरार्चितायै नमः

ॐ श्री बिलुलन्ध्यै नमः
ॐ श्री बल-ब्रम्भ्यै नमः ।।९००
ॐ श्री बिम्भाबिम्भ-विधारिण्यै नमः
ॐ श्री बिकलण्ट्यै नमः
ॐ श्री बिल-हन्ध्यै नमः
ॐ श्री बिलद्-गन्ध-शिवात्मिकायै नमः
ॐ श्री बल्वु-किटिर्बल्मु-लुट्यै नमः
ॐ श्री बल्कलल्पायै नमः
ॐ श्री बिलाभ्रिक्यै नमः
ॐ श्री बिल्क-षष्टायै नमः
ॐ श्री बिल्क-भ्रष्टायै नमः
ॐ श्री बिल्काबिल्क-निवासिन्यै नमः ।।९१०
ॐ श्री बिष-निष्टायै नमः
ॐ श्री बिलु-लुहायै नमः
ॐ श्री बिलिर्बल्यायै नमः
ॐ श्री बिलीषिकायै नमः
ॐ श्री बृह-गुहायै नमः
ॐ श्री बृहेशान्यै नमः
ॐ श्री बृह-माल्यायै नमः
ॐ श्री बृहङ्कर्यै नमः
ॐ श्री बृह-पुत्रायै नमः
ॐ श्री बृषीदंघ्र्यै नमः ।।९२०
ॐ श्री बहु-बम्भल-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बिकु-लल्कायै नमः
ॐ श्री बिलुम्रीरायै नमः
ॐ श्री बिभचष्कायै नमः
ॐ श्री बीजरायै नमः
ॐ श्री बिल्मु-लुत्यायै नमः
ॐ श्री बिकुम्भ्रायै नमः
ॐ श्री बिगुद्यायै नमः
ॐ श्री बिल्क-वालिरायै नमः
ॐ श्री बमि-कुष्टापहारायै नमः ।।९३०
ॐ श्री बभृ-भम्भण्ड-धारिण्यै नमः
ॐ श्री बज्ल-कोलायै नमः
ॐ श्री बज्ज-गात्रायै नमः
ॐ श्री बज्ज-गोजायै नमः
ॐ श्री बतन्मय्यै नमः
ॐ श्री बेद-तत्त्व-समुद्भूतायै नमः
ॐ श्री बग-गीलायै नमः
ॐ श्री बलाशिन्यै नमः
ॐ श्री बल-हीङ्कारिण्यै नमः
ॐ श्री बीष्यै नमः ।।९४०
ॐ श्री बीण-कोटि-सुसक्तिकायै नमः
ॐ श्री बक-लक्ष-महा-कोटि-चतुःषष्टि-सुयोगिन्यै नमः
ॐ श्री बीती-लक्ष-महाऽनन्त-भैरवायै नमः
ॐ श्री बुबुगालिकायै नमः
ॐ श्री बुध-लक्ष-महा-कोटि-विष्णु-रुद्र-गणेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बिभ्रद-दर्पण-हस्तायै नमः
ॐ श्री बिभ्रत् -कोकिल-मण्डितायै नमः
ॐ श्री बिभ्रद्-पद्म-समाख्यातायै नमः
ॐ श्री बिबुभू-भू-भयङ्कर्यै नमः
ॐ श्री बिभ्रच्छक्ति-गदा-हस्तायै नमः ।।९५०
ॐ श्री बीज-पंक्ति-समन्वितायै नमः
ॐ श्री बीज-जङ्घायै नमः
ॐ श्री बल्यै नमः
ॐ श्री बील्यै नमः
ॐ श्री बीजराम-सुरेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बडवानल-महा-ज्वालायै नमः
ॐ श्री बाणल्यै नमः
ॐ श्री बाण-मध्यगायै नमः
ॐ श्री बुञ्च-वन्द-वड्यै नमः
ॐ श्री बाम्ह्यै नमः ।।९६०
ॐ श्री बाह्लीकासुर-त्रोटिन्यै नमः
ॐ श्री बह्लायै नमः
ॐ श्री बह्लेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बह्ल्यै नमः

ॐ श्री बह्लीकायै नमः
ॐ श्री बह्लि-काननायै नमः
ॐ श्री बह्ली-रूपायै नमः
ॐ श्री बढ़ी-जाढ्यै नमः
ॐ श्री बह्लाबह्ल-स्वरूपिण्यै नमः
ॐ श्री बल-विन्दु-प्रभायै नमः ।।९७०
ॐ श्री बल-योगिनिकायै नमः
ॐ श्री बल-सक्त-महा-योगायै नमः
ॐ श्री बिन्दु-रुद्रायै नमः
ॐ श्री बिढत्-करायै नमः
ॐ श्री बिनुनुर्णायै नमः
ॐ श्री बिहत्-पूजायै नमः
ॐ श्री बिरुद्ध-कटलायुतायै नमः
ॐ श्री बिल्कु-कूट-त्रयायै नमः
ॐ श्री ब्रह्मयै नमः
ॐ श्री बीरु-कालायै नमः ।।९८०
ॐ श्री बिदुर्द्धिन्यै नमः
ॐ श्रीबमलाम-महानत-विरावलि-विसंयुतायैनमः
ॐ श्री बकारोत्तम-वीजायै नमः
ॐ श्री बध्वी-लत-महा-देव्यै नमः
ॐ श्री बाल-लावण्य-लालितायै नमः
ॐ श्री बहु-वर्षायै नमः
ॐ श्री बहु-जन्मायै नमः
ॐ श्री बहु-पादायै नमः
ॐ श्री बल-ब्रतायै नमः
ॐ श्री बहु-हस्तायै नमः ।।९९०
ॐ श्री बहु-श्रोतायै नमः
ॐ श्री बहिर्भूमि-वरेश्वर्यै नमः
ॐ श्री बहिर्लिङ्गायै नमः
ॐ श्री बृहन्मात्रे नमः
ॐ श्री बाहिर्यै नमः
ॐ श्री बलि-चक्रिण्यै नमः
ॐ श्री बल-कृद्वटक्यै नमः
ॐ श्री ब्रह्मयै नमः
ॐ श्री ब्रह्मिकायै नमः
ॐ श्री बद्रि-खड्गिन्यै नमः ।।१०००

श्री बाला-त्रिपुर-सुन्दरी के उक्त बकारादि नाम- 'श्री ललिता'-नाम-मन्त्रों के समान मूल-मन्त्र-स्वरूपी हैं। इन 'नाम'-मन्त्रों का जप करने से भूत-प्रेत एवं सभी प्रकार का ज्वर नष्ट होता है। भगवती बाला को प्रिय उक्त 'नाम'-मन्त्र भोग और मोक्ष देनेवाले हैं।

❑❑❑